डीयू के श्री अरबिंदो कॉलेज पहुंची एनबीटी की टीम तो स्टूडेंट्स ने कहा

‘हम बनेंगे सिटिजन रिपोर्टर, रखेंगे अपने आसपास नजर’

Photos : Sunil Kataria

स्टूडेंट्स के साथ-साथ टीचर्स ने भी ‘एनबीटी सिटिजन रिपोर्टर’ कैंपेन को लेकर खुशी जाहिर की

■ **विशेष संवाददाता, मालवीय नगर**

दिल्ली यूनिवर्सिटी के श्री अरबिंदो कॉलेज के स्टूडेंट्स अपने आसपास की खबरों के साथ आपको अलर्ट करने के लिए तैयार हैं। सोमवार को कॉलेज में 'सिटिजन जर्नलिज़म' पर एनबीटी ने कॉलेज में एक प्रोग्राम रखा, जिसमें कई स्टूडेंट्स ने हिस्सा लिया। कैसे एक सतर्क नागरिक बनकर स्टूडेंट्स अपने इलाके की दिक्कतों या फिर उनके आसपास हो रही अच्छी पहल को दुनिया के सामने पेश कर सकते हैं, इस प्रोग्राम में एनबीटी की टीम ने उन्हें यह जानकारी दी। देश-विदेश में फैलाव लेते सिटिजन जर्नलिजम के बारे में टीम ने स्टूडेंट्स को रूबरू किया। साथ ही अपने कैंपेन 'एनबीटी सिटिजन रिपोर्टर' के बारे में भी उन्हें खबर दी, जिससे जुड़कर वह अपनी आवाज उठा सकते हैं। स्टूडेंट्स ने भी पूरे जोश से कहा कि वे जल्द ही जिम्मेदार सिटिजन रिपोर्टर बनकर एनबीटी को खबरें भेजेंगे। स्टूडेंट्स के साथ-साथ टीचर्स ने भी इस कैंपेन को लेकर खुशी जाहिर की।

NBT CITIZEN REPORTER आपकी आवाज

एनबीटी की टीम ने स्टूडेंट्स को अपने ऐप 'एनबीटी सिटिजन रिपोर्टर ऐप' के बारे में प्रेजेंटेशन दिया, जिसकी मदद से वे अपनी बात अखबार तक और वहां से सरकार या अधिकारी तक भी अपनी शिकायतें पहुंचा सकते हैं। उन्हें बताया गया कि वे अपने इलाके या फिर अपने कैंपस या उसके आसपास की दिक्कतों को इस ऐप से भेजकर अखबार में जगह दिलवा सकते हैं। वे देश-विदेश के मुद्दों पर भी अपने विचार भेजकर लोगों के सामने रख सकते हैं। उन्हें बताया गया कि उनका फोन ही उनका हथियार बन सकता है और ऐप से वे विडियो, ऑडियो, फोटो और टेक्स्ट में खबर भेज सकते हैं। इसे एनबीटी की संपादकीय टीम परफेक्ट न्यूज की शक्ल देगी और उनके नाम से प्रकाशित करेगी। टीम ने बताया कि एक रिपोर्ट लिखते हुए कैसे तथ्यों का ध्यान रखा जाए, अफवाहों से बचा जाए और किसी एक पक्ष की ओर झुकाव से बचा जाए। तकनीकी पहलुओं और बाकी चुनौतियों पर भी उनका ध्यान खींचा गया।

स्टूडेंट्स को यह भी बताया गया कि जरूरी नहीं कि पत्रकारिता का पेशा चुनने वाले ही सिटिजन जर्नलिज़म से शुरुआत करें। कोई भी डिजिटल क्रांति के साथ इससे जुड़ सकता है। एक जिम्मेदार नागरिक के तौर अपने समाज को अच्छा और खूबसूरत बनाने की चाह ही इसके लिए काफी है। कई स्टूडेंट्स ने तो मौके पर ही मोबाइल पर यह ऐप डाउनलोड कर लिया। उन्होंने कहा कि वे एक महीने के अंदर ही एक जिम्मेदार सिटिजन रिपोर्टर बनकर अपने आसपास की दुनिया को खूबसूरत बनाने में जुट जाएंगे।

“ मैं इस ऐप के जरिए अपनी समस्याएं भेजकर उन्हें दूर कराऊंगा। अब कोई अधिकारी जवाब देने से बच नहीं सकता। *-इफ्तेखार*

“ सिटिजन रिपोर्टर से लोगों को एक और नया प्लैटफॉर्म मिला है। इससे अपनी समस्याएं और बातें आसानी से पहुंचाई जा सकती हैं। इसके सकारात्मक परिणाम भी आएंगे। *-डॉ. विपिन कुमार अग्रवाल, प्रिंसिपल, अरबिंदो कॉलेज*

“ आज से पहले लगता था कि समस्याओं को लेकर कहां जाऊं। मगर, अब रास्ता मिल गया है। ऐप के जरिए अधिकारियों तक अपनी बात पहुंचाऊंगा। *-अनुराग*

“ मीडिया पर कई तरह के आरोप लगते रहे हैं, लेकिन इस ऐप के जरिए हम अपनी परेशानियों को उठा सकते हैं। यह हमारी आवाज बन सकता है। *-रमन*

“ इस सेमिनार ने हमें अपनी आसपास हो रही घटनाओं को देखने के लिए नया नजरिया दिया है। राह चलते अब मैं और सजग रहूंगा। *-शिवम*

“ यह बहुत ही अच्छी बात है कि अखबार पढ़ने वाले भी खबर देकर रिपोर्टर बन सकते हैं। पहले से पता होता तो हम तैयारी करके आते। *-शुभांशु*

“ बड़ी आसानी से एक मोबाइल ऐप्लिकेशन के जरिए अपनी समस्या बताई जा सकती है, सेमिनार में आकर इसका पता चला। *-राजकुमार*